ज़्यारत - हज़रत सकीना (स्कय्या) बिन्तुल हुसैन (अ:स)

अल्लाहुम्मा सल्लि अला मुहम्मदिन व आलि मुहम्मदिन व अज्जिल फरजहुम

ऐ अल्लाह! मोहम्मद और आले मोहम्मद पर दरूद भेज और ईमाम (अ:त:फ़) के ज़हूर में ताजील (जल्दी) फ़रमा

अस्सलामु अलैकी या बिन्ते नबीयल मुस्तफा,

आप पर सलाम हो, ऐ मुन्तख़ब नबी की बेटी,

अस्सलामु अलैकी या बिन्तल वलीअल मुरतज़ा,

आप पर सलाम हो, ऐ पसंदीदा वली की बेटी,

अस्सलामु अलैकी या बिन्त अल्बतूलित ताहिरा फातिमतज़ ज़हरा,

आप पर सलाम हो, ऐ पाकीज़ा बतूल, फ़ातिमा अज़-ज़हरा की बेटी,

अस्सलामु अलैकी या बिन्त ख़दीजतिल कुबरा,

आप पर सलाम हो, ऐ ख़दीजा अल-कुबरा की बेटी,

अस्सलामु अलैकी या बिन्त ख़ामिस अस्हाबिल किसा,

आप पर सलाम हो, ऐ अस्हाब किसा में से पाँचवीं की बेटी[1],

अस्सलामु अलैकी या फ़लज़त क़बिदिल मुरम्मल बिद्'दीमा-अ,

आप पर सलाम हो, ऐ उसके जिगर के टुकड़े जिसे ख़ून में लथपथ किया गया,

अस्सलामु अलैकी या तिफ्लतुल मकतूलि ज़ुल्मन बि कर्बला.

आप पर सलाम हो, ऐ उसकी बच्ची जिसे कर्बला में नाहक़ क़त्ल किया गया,

अस्सलामु अलैकी या मदललतिल हुसैनिश शहीद अलैहिस्सलामु व रहमतुल्लाहि व बरकातुहु.

आप पर सलाम हो, ऐ इमाम हुसैन शहीद की लाड़ली, उन पर सलाम, अल्लाह की रहमत और बरकतें हों।

अस्सलामु अलैकी या रबीबत बैतित तुका,

आप पर सलाम हो, ऐ जिसे तक़वा के घर में पाला गया,

अस्सलामु अलैकी या वलीदत दारिल अबा,

आप पर सलाम हो, ऐ जिसे खुद्दारी के घर में पैदा किया गया,

अस्सलामु अलैकी या सगीरत रुक्निल हुदा,

आप पर सलाम हो, ऐ स्क्न-ए-हिदायत की छोटी,

अस्सलामु अलैकी या शहीदतिल हुज़्नि वल बुक़ा,

आप पर सलाम हो, ऐ ग़म और आँसुओं की शहीद,

अस्सलामु अलैकी या क़तीलतिस्सब्रि अलल बला,

आप पर सलाम हो, ऐ जिसे मुसीबत पर सब्र से क़त्ल किया गया,

अस्सलामु अलैकी या कसीरतिश्शिज्ब व न्निदा व रहमतुल्लाहि व बरकातुहु.

आप पर सलाम हो, ऐ वह जिसने बहुत ज़्यादा फ़रियाद की, अल्लाह की रहमत और बरकतें हों।

अस्सलामु अलल बाकियतिश्शाकियतिन नादिबा,

आप पर सलाम हो, ऐ रोने वाली, शिक़ायत करने वाली,मातम करने वाली,

अस्सलामु अलल असीरतिल मुंतहिबा,

आप पर सलाम हो, ऐ क़ैदी जो फ़रियाद कर रही थी,

अस्सलामु अलल यतीमतु अन्दस्सिबा,

आप पर सलाम हो, ऐ वह जो बचपन में यतीम हो गई,

अस्सलामु अला साहिबतिल हुज़्निल अज़ीमि लिफ़क़्दिहा मन हुआ बिहा वद्दुर रहीम,

आप पर सलाम हो, ऐ वह जो अपने मेहरबान और रहीम के फ़िराक़ में ग़मज़दा हुई,

अस्सलामु अला ज़ातिल क़ल्बिल क़ज़ीम,

आप पर सलाम हो, ऐ वह जिसका दिल ग़म से भर गया,

अस्सलामु अला ज़ातिल ऐनिस्सक़ूब,

आप पर सलाम हो, ऐ वह जिसकी आँखें आँसुओं से बह रही थीं,

वल अननतिल लती तक़्तिउल कुलूब,

उसके साथ जिसकी कराहत दिलों को चीर देती है

बिमा तदाफरत अलैहल न्दूब,

मुसलसल मुसीबतों की वजह से,

बिमा जराफि अरज़िल कुस्ब,

उसकी वजह से जो उस पर ज़मीन-ए-मुसीबत में गुज़री,

वर रहमतुल्लाहि व बरकातुहु.

अल्लाह की रहमत और बरकतें हों।

अस्सलामु अला मन बिस्सियात लवउहा,

आप पर सलाम हो, जिसे दर्द दिया गया और कोड़े मारे गए,

अस्सलामु अला मुनहनियतिन अलल अजसादिल लती सरअउहा,

आप पर सलाम हो, जिसने उन जिस्मों पर झुकना जारी रखा जिन्हें उन्होंने क़त्ल किया,

अस्सलामु अला मन अन्नियाहत मनअूहा,

आप पर सलाम हो, जिसे रोने और चीख़ने से मना किया गया,

अस्सलामु अला अलअसीरतिल मक्तूआ,

आप पर सलाम हो, ऐ वह क़ैदी जिसका सब कुछ ख़त्म हो गया,

अस्सलामु अला अलमज़लूमतिल मफजूआ,

आप पर सलाम हो, ऐ मज़लूम और मुसीबतज़दा,

अस्सलामु अला मन हालिहा फिश्शिज्ब व अज़्वील,

आप पर सलाम हो, ऐ वह जिसका हाल फ़रियाद और चीख़-पुकार में था,

अस्सलामु अला मन उम्रहा बअदल मुसाब क़लील,

आप पर सलाम हो, ऐ वह जो मुसीबत के बाद ज़्यादा देर ज़िंदा न रही,

अस्सलामु अला मन ग़ाबा अन्हा अल हामि वल कफील व रहमतुल्लाहि व बरकातुहु.

आप पर सलाम हो, ऐ वह जिसके मुहाफ़िज़ और कफ़ील मौजूद नहीं थे, अल्लाह की रहमत और बरकतें हों।

सलामी लिमन शहादतिहा बिन्नाज़िलतिल कुब्रा,

मेरा सलाम उस पर जो अज़ीम आफ़त में शहीद हुई,

व हुज़्नी लिमन मुसिबतहा फजीअतन उज़्मा,

मैं उस के लिए ग़मज़दा हूँ जिसकी मुसीबत एक बहुत बड़ी आफ़त है,

हैसु जनन अलैहा अज़्ज़लाम,

जब अंधेरे ने उस पर छा लिया।

व कद अदखलत ख़राबतिश्शाम,

जब उन्हें शाम के वीरान घर में ठहराया गया

मआ अम्मतिहा लती ज़ुमा'त विल्या अलआयताम,

अपनी फूफी के साथ जिन्होंने यतीमों को अपने गिर्द जमा किया,

व हैसु सकनत मिन न्नवाह,

जब मातम करने वाले खामोश हो गए,

व हदा'त अन्फासिल हुज़्न वस्सियाह,

जब ग़म और चीख़-ओ-पुकार की साँसें थम गईं,

व बातू मल्तमिसिनिस्सबाह,

जब उन्होंने रात को सुबह की तलाश में गुज़ारा,

फफ़जिअत या स्कय्यत मिनल मनाम,

तो ऐ स्कय्या, आप नींद में ख़ौफ़ज़दा हो गईं,

व बदा मिनकिन्न्नूह वल एहतिज़ाम,

और आपने मातम, शिकायत और फ़रियाद करना शुरू कर दिया,

व न्दबति अबाकि ब अश्ज़ल कलाम,

अपने वालिद का ग़म बहुत अफ़सोसनाक अल्फ़ाज़ में मनाया।

फल्लमा वसलस्सौतु इला यज़ीद (लअनहुल्लाह)

जब आवाज़ (लानती) यज़ीद तक पहुँची,

उमिरा बित्तश्त व फिहि रसिश्शहीद,

उसने हुक्म दिया कि वह तश्त लाया जाए जिसमें शहीद का सर रखा गया था।

व बैतु मा कान यर्मि व युरीद,

उसने अपने ख़यालात और अपने इरादे को छुपाया।

व बदा बिश्शमातत वज़्ज़ुल्मिश्शदीद,

उसने आपकी मुसीबत पर ख़ुशी का इज़हार किया, और इतना बड़ा ज़ुल्म दिखाया,

नावियन तक़तीअ क़ल्बिक बिमा यफ्तुस्सख़्र वल हदीद,

जिससे आपके दिल को टुकड़े-टुकड़े करने का इरादा किया, जिससे पत्थर और लोहा भी चूर-चूर हो जाता है।

फखैयमिल हुज़्न अन्निस्वतिल हाशिमिया,

ग़म ने हाशमी ख़वातीन पर साया डाला

हीनमा राय्न रअस साहिबिल ग़ैरत वल हमिया,

जब उन्होंने ग़ैरत और मर्दानगी वाले का सर देखा।

व सिरति अंत तनज़ुरिन इला ताजिल इत्रतिल अबिया,

आप मुसलसल अहल-ए-बैत के ताज की तरफ़ देखती रहीं,

व कद दहाकिल मंज़रु या स्कय्या,

और यह मंज़र आपको हिला कर रख दिया, ऐ स्कय्या,

व कद तसर्बलत बिद्दिमा शैबतहु,

जब ख़ून ने उनकी दाढ़ी को तर कर दिया,

व तनकुसित बिल क़ज़ीब शफतहु,

जब उनके होंट लोहे के डंडे से दबाए गए,

व शहबित मिनल अतशि वजतनह,

जब उनके रुख़सार प्यास से ख़ुश्क हो गए,

व कद शख़सत ऐनाहु इल्लस्समा,

जब उनकी आँखें आसमान की तरफ़ उठ गईं,

हीनमा वज्हा ज़ालिकन निदा:

और उन्होंने यह ख़िताब किया:

इलाही तरक्तुल ख़ल्क़ तुर्रं फ़ि हवाक - - -

"ऐ अल्लाह! मैंने तुझसे मोहब्बत में तमाम मख़्लूक़ को छोड़ दिया...

व अइतम्तुल ऐयाल लिकाई अराक,

तेरी मोहब्बत में मैंने अपने बच्चों को यतीम कर दिया,

फलव क़त्तअतनी फिल हब्बि इर्बन - - -

लिहाज़ा, अगर तू मुझे अपनी मोहब्बत में टुकड़े-टुकड़े कर दे...,

लमा मालन फ़ुआदु इला सिवाक.

मेरा दिल कभी भी तुझसे हट कर किसी और की तरफ़ माइल नहीं होगा।"

अस्सलामु अला मन लिसानु हालिहा यक्तिउल कुलूब,

सलाम हो उस पर जिसका हाल दिलों को चीर देता है,

अस्सलामु अला साहिबतल ख़िताबिल अजीब,साहिबिल ख़द्दित्तरीब

सलाम हो उस पर जिसने अपने वालिद के दिफ़ा में हैरान कुन ख़िताब किया, जिसके रुख़सार ख़ाक में लिपटे हुए थे, आपके वालिद, अबू अब्दुल्लाह अल-हुसैन, उन पर सलाम हो।

अबिकि अबा अब्दिल्लाहिल हुसैन अलैहिस्सलाम,

और तब आपने (जनाब सकीना ने) पुकारा:

हीना नादैति: या अबता! मन ख़ज़बा श्शैबल अफ़ीफ?

"ऐ बाबा! किसने नेक दाढ़ी को ख़ून से रंग दिया?

मन क़त्आ न्नहरिश्शरीफ?

"किसने मुक़द्दस गर्दन को काट दिया?

मन अइतमनी अला सिग़र सिननी?

किसने मुझे इस उम्र में यतीम बना दिया?"

इलैकि या स्कय्या इन्नी . . . .

ऐ स्कय्या, मैं आपकी कराहत का बयान कैसे कर सकता हूँ:

अहार फ़िमा तुब्दीनहु मिनन नशिज.

मैं आपकी सिसकियों को कैसे बयान कर सकता हूँ?

अस्सलामु अला मनिंकब्बत अला रसि अबीहा शाइक़ा,

तो सलाम हो उस पर जो बेक़रारी से अपने बाबा के (कटे) सर पर गिरी,

अस्सलामु अला मन हदनत रसि हिमा ज़ाइक़ा,

सलाम हो उस पर जिसके बुख़ार से तपते हुए सर को गले लगाया गया,

अस्सलामु अला मन अहवालिहा अन्हा नातिका,

सलाम हो उस पर जिसका हाल उसके लिए बोलता था,

अस्सलामु अला रूहिकिस्साइदा बअदा वुक़ूअक अला रअसिश्शरीफ,

आपकी रूह पर सलाम हो जो मुक़द्दस सर पर गिरने के बाद ऊपर चली गई,

अस्सलामु अला जवाहरिहाज़्ज़ाबिला मिनस्सीरिल हसीस,

सलाम हो आपके मुरझाए हुए एहसासात पर जो मुसलसल चलने की वजह से ख़त्म हो गए थे,

अस्सलामु अला रूहिल मुवद्दअति लिलजवाहरिल मुतहस्सिर,

सलाम हो उस रूह पर जो अफ़सोसनाक लम्हात को छोड़कर जा चुकी थी,

अस्सलामु अला अल्जसदिल्मुफारिक लिलरूहिल मुतफत्तिर,

सलाम हो उस जिस्म पर जिसकी कुचली हुई रूह (ज़ख़्मी बदन)जुदा हो चुकी थी,

अस्सलामु अला मन अबकतिन्निसा मुसिबतहा,

सलाम हो उस पर जिसने ख़वातीन को रूला दिया

लिहौलि मा रआउहा मिन्हा वलि अज़मती मा जरा अलैहा,

उस ख़ौफ़नाक मंज़र की वजह से जो उन्होंने देखा,

हीनमा जी'अ बिरासि अबीहा इलैहा,

जो कुछ उन के साथ पेश आया और इस मुसीबत की वजह से, जब उनके वालिद का सर उनके पास लाया गया...

फ़क़ालल इमामु ज़ैनुल आबिदीन अलैहिस्सलाम:

इमाम ज़ैनुल आबिदीन (अलैहिस्सलाम) ने फरमाया:

अर्फ़ऊहा फ़लिक़द फारक़त रूहहा अद्दुन्या . . . . . .

"इसे उठाओ, क्योंकि इसकी रूह इस दुनिया से चली गई है..."

फ़रफ़ऊकि, व इज़ा अन्ता मय्यत . . .

चुनांचे उन्होंने आपको उठाया, और आप मर चुकी थीं...

अस्सलामु अला मन जादत मुसाबि आलील बैत,

सलाम हो उस पर जिसने अहल-ए-बैत की मुसीबत को मजीद बढ़ा दिया।

अस्सलामु अलैकि या साहिबतन नफ्सिल अबिया,

सलाम हो आप पर, जो खुद्दार रूह की मालिक हैं,

अस्सलामु अलैक या सलीलतिल हुसैनिल मस्बिया,

सलाम हो आप पर, ऐ हुसैन की क़ैदी औलाद ,

अस्सलामु अला बिन्तिल अनवारिल मुहम्मदिया,

सलाम हो आप पर, ऐ मुहम्मदी नूर की बेटी,

अस्सलामु अलैक या ग़ुस्नशजरतिल अलवियतिल फातिमिया,

सलाम हो आप पर, ऐ अलवी फातिमी शजरह की शाख़,

या सगीरतल हुसैन . . . या रुकय्या,

ऐ हुसैन की छोटी, ऐ रुकय्या,

वर रहमतुल्लाहि व बरकातुहु.

अल्लाह की रहमत और बरकतें हों।

लिकद अज़ुमत मुसाइबना बिकि या बिन्तल हुसैन,

हमारी मुसीबतें आपकी वजह से बढ़ गई हैं, ऐ हुसैन की बेटी,

व शख़सत अयून्ना इलैकि बिद्दमअस्सख़ीन,

हमारी आँखें आप पर गर्म आँसुओं के साथ जमी हुई हैं,

व शहबित अलवानुना बिन्नशिजिल वालिहिल हज़ीन,

हमारे चेहरों का रंग मातम की वजह से ज़र्द हो गया है,

व तकब्बदत कुलूबना मिन अस्हुमिल हक़्दिद्दफ़ीन,

हमारे दिलों ने तीरो के ज़ख़्म खाए हैं

लिआलि उमय्यतज़्ज़ालिमीन,

ज़ालिम बनू उमय्या की छुपी हुई दुश्मनी की वजह से,

व तजम्मअत अरवाहुना हुना बिहज़रतिकि बिश्शौक़ वल हनीन,

हमारी रूहें यहाँ आपकी मौजूदगी में जमा हो गई हैं

व बज़ज़फ़रत वल अनिन,

इज़्तराब, मोहब्बत,आहें और कराहत के साथ,

तंदुबिल आलेत ताहिरीन,

अहल-ए-बैत पाक के वह ग़म मना रहे हैं,

व तशकू लौअतल मुसाब,

ग़म की शिद्दत की शिक़ायत कर रहे हैं

व शिद्दतिल इन्तिआब,

और दुखों का शिक़वा,

व उसरतिल अज़ाब,

दर्द की सख़्ती,

व ग़ुस्सतिल फ़िराक़,

जुदाई की घुटन का शिक़वा कर रहे हैं,

व हरारतिल इश्तियाक़,

मोहब्बत की गर्मी का शिक़वा कर रहे हैं...

व नरजू मिनल्लाह बिकुम लना इवज़ं . . बिकस्रतिस्सवाब,

हम अल्लाह से दुआ करते हैं कि वह आपके बिछड़ जाने का हमें ज़्यादा से ज़्यादा इनाम अता करे,

व हुस्नल मआब.

अल्लाह की तरफ़ अच्छे अंदाज़ में लौटने का मौक़ा दे।

नसअलुल्लाह बिश्शानिल्लज़ी लदैक,

हम अल्लाह से दुआ करते हैं आपके उस मक़ाम के वसीले से जो आपको अल्लाह के यहाँ हासिल है, ऐ सकीना!,

व बिश्शरफिल्लज़ी बैना यदैक,

इस इज़्ज़त के ज़रिये जो आपके सामने है,,

व बिल मकामिल्लज़ी तशरकु मिनहु अनवारक,

इस मक़ाम के ज़रिये जिस से आपकी रौशनी चमकती है,

अन तकूनी शफीअतन लिलमुझनिबिल हक़ीर,

कि आप उस कमज़ोर गुनहगार की शफ़ाअत करें,

वल्लाइज़िल मुस्तजीर,

जो एक महफ़ूज़ पनाहगाह का तलबगार है,

वल्मुज़्तर्रिल कसीर,

दिल शिकस्ता मददगार जो आपसे मोहब्बत करता है,

मिन शीयतिकुम व मुहिब्बीकुम,

जो अहल-ए-बैत के आशिक़ हैं ,

ताइबीन इलल अलीमिल बसीर . . .

और तौबा करते हैं उस अल्लाह से जो सब जानने वाला और सब देखने वाला है,

बि अन यनाल बिकुम तमामस्सवाबिज्जियारात,

ताकि वह आपके वसीले से, ऐ अहल-ए-बैत, ज़ियारतों के मुकम्मल इनामात हासिल करें,

व युफलहु बिआखिरतिहि बिमुदाफअतिल मसूबाति व गुफ्रानिल ख़तियात,

ताकि वह अपनी आख़िरत में कामयाब हों जब उनके इनामात दुगने हो जाएं और गुनाह माफ़ हो जाएं,

इन्न रब्बी बिमा यशाउ लतीफ,

यक़ीनन मेरा रब बहुत मेहरबान है;

व हुआ बिकुम मुझीबुन अतीफ,

यक़ीनन वह दुआओं को क़ुबूल करता है,

व हुआ लकुम रहीमुन रऊफ,

आप पर, ऐ अहल-ए-बैत, रहम करता है और मेहरबानी फ़रमाता है.

वस्सलामु अलैकुम सादती व रहमतुल्लाहि व बरकातुहु.

आप पर सलाम हो, ऐ मेरे आका, अल्लाह की रहमत और उसकी बरकतें हों

अशहदु अन्नकुम तहम्मल्तुमुल मुसाब,

मैं गवाही देता हूं कि आपने जो मुसीबतें बर्दाश्त कीं,

व अन्नकुम अहयाउ बिन नस्सिल किताब,

कि आप ज़िंदा हैं जैसा कि किताब (क़ुरआन) में है,

हैसु क़ालस्सरीउल हिसाब:

जहां जल्द हिसाब लेने वाला फ़रमाता है,

(वलातह्सबन्नल्लज़ीना कुतिलू फी सबीलिल्लाहि अम्वातन बल अहयाउ इन्द रब्बिहिम युर्ज़क़ून).

"और जो लोग अल्लाह की राह में क़त्ल हुए उन्हें मुर्दा न समझो, बल्कि वह अपने रब के पास ज़िंदा हैं, उन्हें रिज़्क़ दिया जा रहा है।"

अल्लाहुम्म सल्लि अला मुहम्मदिन व आलि मुहम्मद,

ऐ अल्लाह! मोहम्मद और आल-ए-मोहम्मद पर रहमत नाज़िल फ़रमा!

अल्लाहुम्मा अन्नी असअलुक बिल्मुसीबतिल उज़्मा,

ऐ रब! हम आपसे वसीला मांगते हैं बड़ी मुसीबत,

व बिन्नाज़िलतिल कुब्रा,

और अज़ीम मुसीबत

व बिमा जरा फी कर्बला,

जो कर्बला में पेश आया,

अन तुसल्लिया अला मुहम्मदिन व आलि मुहम्मद,

कि आप मोहम्मद और आल-ए-मोहम्मद पर रहमत नाज़िल फ़रमाएं,

व अन तकीना शर्रिल अस्वा,

और हमें हर क़िस्म की बुराई के नुक़्सानात से महफ़ूज़ रखें,

व तहुब्ब लना अज्ज़ुल्मात,

हमारे अपने ज़ुल्मों को माफ़ करें,

व तुकव्विना अला मुझाहदतिल मुनकिरेत.

और हमें उन कामों से बचने की क़ुव्वत दें जिन्हें आप नापसंद करते हैं!

अल्लाहुम्मा अन्ना नतवज्जहु इलैक बिस्सरअत स्कय्यतल यतीम,

ऐ रब! हम आपसे दरख़्वास्त करते हैं उस सदमे के ज़रिये जिसने स्कय्या को क़त्ल किया,

व बिहातिकिल फ़ाजअतिल अज़ीमा,

उस यतीम के ज़रिये, उस बड़ी मुसीबत के ज़रिये,

व बिटिल्किल मुसिबतिश्शदीदा,

उस शदीद आफ़त के ज़रिये,

व मा नज़ला बिलइत्रतिल मजीदा,

उस पाकीज़ा इतरत के ज़रिये,

व बि जाही रूहिहात ताहिरा,

सकीना की पाक रूह के ज़रिये,

व जवाहरिहा सबिरा,

साबित क़दम एहसासात,

व अदमुइहास्सख़िया,

और सख़ी आँसुओं के ज़रिये,

व बिमा हिया इन्दक मरज़िया,

(उनके) उस मक़ाम के ज़रिये जो आपको ख़ुश करता है...,

अन तक़ज़िया हाजातना व हाजातिल मुमिनीन वल मुमिनात.

(ताकि) हमारी ज़रूरतें और मोमिन मर्दों और औरतों की ज़रूरतें पूरी हों।"

ज़्यारत 2

अस्सलामु अलैकी या बिन्त रसूलिल्लाह

सलाम हो आप पर, ए रसूल-ए खुदा की बेटी

अस्सलामु अलैकी या बिन्त सुल्तानिल अंबिया

सलाम हो आप पर, ए अंबिया के सरदार की बेटी

अस्सलामु अलैकी या बिन्त साहिबिल हौज़ि वलिवा

सलाम हो आप पर, ए हौज़ और इल्म के मालिक की बेटी

अस्सलामु अलैकी या बिन्त मन अ'रजा इलस्समाई व वसला इला क़ाबा कौसैन अव अदना

सलाम हो आप पर, ए वह बेटी जिनके वालिद आसमानों की सैर करके वापस आए और क़ाब क़ौसैन या इस से भी नज़दीक पहुँचे

अस्सलामु अलैकी या बिन्त नबीय्यिल हु'दा व सैय्यिदिल वरा व मुन क़िज़िल इबाद मिनज़्ज़लालति वर्रदा

सलाम हो आप पर, ए नबी हिदायत और तमाम मख़लूक़ात के सरदार की बेटी, और वह जिन्होंने बंदों को गुमराही और हलाकत से निजात दी

अस्सलामु अलैकी या बिन्त अक़रमिल आलमीन हस्बन व अफ़ज़लिहिम नस्बन व अज्मलिहिम मंज़रन व अस्ख़ियहिम कफ़्फा

सलाम हो आप पर, ए दुनिया के सबसे मुअज़्ज़िज़ हसब-नसब रखने वाले की बेटी, जो सबसे अफज़ल नसब वाले, सबसे ख़ूबसूरत मंज़र वाले, और सबसे ज़्यादा सख़ावत वाले थे

व अश्ज़'अहिम क़ल्बन व अक्मलिहिम हिल्मन व अकसरिहिम 'इल्मन व अस्सबतिहिम अस्लन

और सबसे ज़्यादा दिलेर, सबसे कामिल हिल्म वाले, सबसे ज़्यादा इल्म वाले, और सबसे मज़बूत असूल वाले थे

व अ'लैयहिम ज़िक्रन व अस्नाहुम ज़ुख्रन व अह्मदहुम वस्फ़ा

और सबसे बुलंद ज़िक्र वाले, सबसे ज़्यादा तारीफ़ के लायक़, और सबसे ज़्यादा तारीफ़ के मुस्तहक़ थे

अस्सलामु अलैकी या बिन्त बहरिल उलूम व काहिफ़िल फुक़राई

सलाम हो आप पर, ए इल्म के समंदर और फ़क़ीरों की पनाह की बेटी

अस्सलामु अलैकी या बिन्त मन वुलिदा फिल क'अबह व रूजा फिल समाई

सलाम हो आप पर, ए वह जिनके वालिद ख़ाना-ए-काबा में पैदा हुए और आसमानों में बुलंद किए गए

अस्सलामु अलैकी या बिन्त सुल्तानिल औसियाई व सैय्यिदिल औलियाई

सलाम हो आप पर, ए औसिया के सरदार और औलिया के सरदार की बेटी

अस्सलामु अलैकी या बिन्त स्सारिल्लाह व इब्नि स्सारिहि

सलाम हो आप पर, ए ख़ून-ए-ख़ुदा की बेटी और ख़ून-ए-ख़ुदा के फ़र्ज़ंद की बेटी

अस्सलामु अलैकी या बिन्त सैय्यिदिश्शुहदाई

सलाम हो आप पर ऐ शहीदों के सरदार के बेटी

अस्सलामु अलैकी या बज़'अति सैय्यिदि शबाबि अहलिल जन्नह

सलाम हो आप पर, ए वह जिनके वालिद जन्नत के नौजवानों के सरदार हैं

अस्सलामु अलैकी या बिन्त फ़ातिमा ज़ह्हा सैय्यिदति निसाइयल आलमीन

सलाम हो आप पर, ए फ़ातिमा ज़हरा की बेटी, जो तमाम औरतों की सरदार हैं

अस्सलामु अलैकी या बिन्त ख़दीजतिल कुब्रा उम्मिल मोमिनीन

सलाम हो आप पर, ए ख़दीजा कुबरा की बेटी, जो मोमिनों की माँ हैं

अस्सलामु अलैकी या सकीना बिन्त उम्मि रबाब व रहमतुल्लाहि व बरकातुह्

सलाम हो आप पर, ए सकीना बिन्त-ए-उम्म-ए-रबाब, और अल्लाह की रहमत और बरकतें आप पर हों

अस्सलामु अलैकी अय्योहन्तक्रिय्यतुन नक्रिय्यतू

सलाम हो आप पर, ए परहेज़गार और पाकीज़ा ख़ातून

अस्सलामु अलैकी अय्योहल फ़ाज़िलतुस्सग़ीरह

सलाम हो आप पर, ए फ़ज़ीलत वाली छोटी ख़ातून

अस्सलामु अलैकी अय्योहल करीमतुल बहियह

सलाम हो आप पर, ए मुअज़्ज़िज़ और ख़ूबसूरत ख़ातून

अस्सलामु अलैकी अय्योहल मज़लूमतिश्शहीदह

सलाम हो आप पर, ए मज़लूम और शहीद ख़ातून

अस्सलामु अलैकी अय्योहल ब'इदतू 'अनिल औतान

सलाम हो आप पर, ए वह जो वतन से दूर हैं

अस्सलामु अलैकी अय्योहल असीरतू फिल बुलदान

सलाम हो आप पर, ए वह जो मुख़्तलिफ़ ममालिक में असीर हैं

अस्सलामु अलैकी या मुम्तहना बिम्तहानील अज़ीमह व फ़दाहा नफ्सहा लि अबीहा व वरीदहा

सलाम हो आप पर, ए वह जिन्हें अज़ीम इम्तेहान से आज़माया गया, और जिन्होंने अपनी जान अपने वालिद पर निछावर कर दी

अस्सलामु अ'ला मन मात मिन शिद्दतिश्शौक़ि फी महब्बति सैय्यिदिश्शुहदा व कामत क़ियामत अहलिल बैत बि मौतिहा फी खराबतिश्शाम व हिया मौज़ि'उल मुम्तहनति वल बला

सलाम हो उस पर जिसका दिल शिद्दत-ए-मोहब्बत-ए-सैयद-ए-शुहदा में तड़प तड़प कर मर गया, और आपके इंतिक़ाल के साथ अहल-ए-बैत की क़यामत बरपा हो गई

अस्सलामु अ'ला मन लहिक़तु इला जद'दिका व अबीहा फी दारिल करामह वल लिक़ा व रहमतुल्लाहि व बरकातुह्

सलाम हो उस पर जो अपने दादा और वालिद से दार-ए-कराम त की जगह पर जा मिलीं, अल्लाह की रहमत और बरकतें उन पर हों।